AH – 1058-S.E.- CV-19
B.A. (Part –II)
Term End Examination 2019-20
Hindi Literature Paper – II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **7x3**

(क) सेत सेत सब एक से, जहाँ उपूर कपास, ऐसे देस कुदेस में, कबहुँ न कीजै वास। कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक। इंद्रायन दाड़िम विषय, जहाँ न नेक विवेक। बसिए ऐसे देस नहिं, उनउ वृष्टि जो होय। रहिए तो दुख पाइए, प्रान दीजिए रोय।

अथवा

राम भजो, राम भजो, राम भजो भाई। राम के भजे से गनिका तर गई, राम के भजे से गीध गति पाई। राम के नाम से काम बने सब। राम के भजन बिनु सबहिं नसाई।

(ख) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिससे हमें दुख पहुँचा है, उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक रिहा रहा तो वह बैर कहलाता है। इस स्थायी रूप में टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है। पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत डाल तक हुआ करती है।

अथवा

मुझे कचनार फूल की ललाई बहुत भाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन फूलों की पकौड़ियाँ भी बन सकती है। पर, दुर्भाग्य देखिए कि इतना स्वस्थ पेड़ ऐसा सूना पड़ा है, और वह कमजोर दुबला लहक उठा है। कमजोरों में भावुकता ज्यादा होती होगी।

(ग) शरीर जब दूसरों पर लदा है, तब तक मुटाता है। जब अपने ही ऊपर चढ़ जाता है, तब दुबलाने लगता है, जिन्हें मोटे रहना है, वे दूसरों पर लदे रहने का सुभीता कर लेते हैं। नेता जनता पर लदता है, साधु भक्तों पर, आचार्य महत्वाकांक्षी छात्रों पर और बड़ा साहब जूनियरों पर।

अथवा

स्वतंत्रता का उत्सव हम मना रहे हैं। अपने को भूलकर अपने गुण और अपनी मान्यताओं को भूलकर आगे चलने में पीछे घूमकर देखते नहीं थे, वहीं अब दूसरों के पीछे सरपर दौड़ रहे हैं। स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र नारी को अब सब कुछ फाड. फेंकना है।

प्रश्न 2. 'अंधेर नगरी' नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए। **8**

अथवा

'क्रोध' निबंध में निबंधकार ने क्रोध के सामाजिक स्वरूप की विस्तृत व्याख्या की है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3. 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। **8**

अथवा

'दस हजार' नामक एकांकी का सारांश लिखिए।

प्रश्न 4. 'बेईमानी की परत' व्यंग्य निबंध में परसाई जी ने देश में फैले व्यापक भ्रष्टाचार पर कटाक्ष किया है, स्पष्ट कीजिए। **8**

अथवा

'बसंत आ गया है' निबंध की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित मेंसे किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए। **5X3**

(1) बाबू गुलाबराय का जीवन परिचय दीजिए। (2) हरिशंकर परसाई जी की प्रमुख रचनाएँ लिखिए।
(3) महादेवी वर्मा की काव्य रचना पर टिप्पणी लिखिए। (4) अंधेर नगरी नाटक का उद्देश्य लिखिए।
(5) राहुल सांकृत्यायन का यात्रा वृतांत पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 6. किन्ही पंद्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1X15**

(1) सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहाँ, जिंदगी गर रही तो नौजवानी फिर कहाँ। इस शेर ने किसे प्रभावित किया। (2) अंधेर नगरी चौपट राजा टके सेर भाजी टके सेर खाजा किस नाटक से संबंधित है? (3) चरणदास चोर के नाटककार का नाम बताइए। (4) क्रोध नामक निबंध के निबंधकार का नाम बताइए। (5) केदार पाण्डेय किसके बचपन का नाम है? (6) 'कवि वचन सुधा' पत्रिका का प्रकाशन किसने किया? (7) भारत दुर्दशा किसने लिखा? (8) 'पृथ्वीराज की आँखे' किसकी रचना है? (9) राजनाथ किस एकांकी का पात्र है। (10) बड़ी चम्पा – छोटी चम्पा के उपन्यासकार का नाम लिखिए। (11) डॉ0 विद्या निवास मिश्र को सन् 1987 में किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया? (12) 'तुम चंदन हम पानी' किसकी रचना है? (13) 'नया थियेटर' के निर्देशक का नाम बताइए। (14) 'बोल्गा से गंगा' किसकी रचना है? (15) 'स्ट्राइक' एकांकी में किस पर प्रहार है? (16) भारतेन्दु जी के पूर्वज का नाम बताइए। (17) 'अंधेर नगरी' में किसे फाँसी पर लटकाया गया? (18) 'मादा कैक्टस' किसकी रचना है? (19) 'उस अमराई ने राम राम उही हैं, किस प्रकार का निबंध है?

-----ooo-----